No. of Printed Pages : 4

MTT-014

MA (TRANSLATION STUDIES) (MATS)

Term-End Examination

June, 2024

MTT-014 : TRANSLATION AND INDIAN LANGUAGES

Time : 2 Hours *Maximum Marks : 50*

Note :– (i) Attempt any *five* questions.

(ii) Question No. 9 is compulsory.

(iii) All questions carry equal marks.

(iv) Answer Long Answer Question (1 to 8) in about **450** words each and short notes at Q. No. 9 in about **250** words each.

1. Discuss the inter-relationship between Hindi and other Indian Languages.
2. Give the classification of Austric Language family.
3. It is easier to translate among Indian languages. Explain this statement.

P.T.O.

4. Give a detailed account of Tibetan Burmese language family.
5. Elucidate the relevance of translation in the multilingual society of India.
6. Critically examine the need of common language as a mediator (Language).
7. Describe classical literature and give details of Indian classical literature.
8. Discuss the need of translation among modern Indian languages for the development of nationality.
9. Write short notes on any *two* of the following :
   (i) Phonemic similarities-dissimilarities of Modern Indian Languages
   (ii) Principle of Resistance in Translation
   (iii) Mankhmer Language Family
   (iv) Translation in Indian Languages in Medieval Period

MTT-014

एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) (एम.ए.टी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एमटीटी-014 : अनुवाद और भारतीय भाषाएँ

समय : 2 घण्टे अधिकतम अंक : *50*

नोट : (i) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) प्रश्न संख्या 9 अनिवार्य है।

(iii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iv) दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों (प्रश्न संख्या 1 से 8) के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **450** शब्दों में दीजिए तथा प्रश्न संख्या 9 की संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक) लगभग **250** शब्दों में लिखिए।

1. हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के आपसी सम्बन्धों की चर्चा कीजिए।
2. ऑस्ट्रिक (आग्नेय) भाषा परिवार का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

3. अनुवाद की दृष्टि से भारतीय भाषाओं में सहजता है, इस कथन की व्याख्या कीजिए।
4. तिब्बती-बर्मी भाषा परिवार का विस्तृत परिचय दीजिए।
5. भारत के बहुभाषिक समाज में अनुवाद की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।
6. मध्यस्थ (भाषा) के रूप में सामान्य भाषा की आवश्यकता की समीक्षा कीजिए।
7. कालजयी साहित्य की परिभाषा और भारतीय कालजयी साहित्य का विवरण दीजिए।
8. राष्ट्रीयता की भावना के विकास में आधुनिक भारतीय भाषाओं में अनुवाद की आवश्यकता पर विचार कीजिए।
9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) आधुनिक भारतीय भाषाओं के मध्य स्वनिमिक साम्य-वैषम्य

(ii) अनुवाद में प्रतिरोध का सिद्धान्त

(iii) मानख्मेर भाषा परिवार

(iv) भारतीय भाषाओं में मध्यकालीन अनुवाद

***